समाचार

कोरबा शहर के सबसे पुराने स्कूल को थीम आधारित पेंटिंग से दिया गया आकर्षक लुक

(निगम क्षेत्र की सभी 88 शासकीय स्कूलों का होगा कायाकल्प, रेनोवेशन–मरम्मत के साथ ही थीम आधारित पेटिंग्स से विद्यालयों को मिलेगा नया लुक)

कोरबा 01 मई 2022 – कलेक्टर श्रीमती रानू साहू के मार्गदर्शन एवं आयुक्त श्री प्रभाकर पाण्डेय की देखरेख में नगर निगम कोरबा क्षेत्र की शासकीय स्कूलों का कायाकल्प किया जा रहा है, इसी कड़ी में`कोरबा शहर के सबसे पुराने विद्यालय कोतवाली थाना स्कूल प्राथमिक शाला भवन को थीम आधारित पेंटिंग्स के द्वारा आकर्षक लुक दिया गया है, वहीं निगम क्षेत्र में स्थित सभी 88 विद्यालयों का रेनोवेशन मरम्मत व थीम आधारित पेंटिंग्स के द्वारा उन्हें आकर्षक लुक देने एवं उनका सौदंर्यीकरण करने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्रातर्गत स्थित प्राथमिक, माध्यमिक विद्यालय तथा हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल भवनों के जीर्णोद्धार, मरम्मत व उन्हें आकर्षक लुक प्रदान किए जाने के मद्देनजर कलेक्टर श्रीमती रानू साहू ने निगम आयुक्त श्री प्रभाकर पाण्डेय व अन्य अधिकारियों के साथ कोतवाली थाना स्कूल व शहर के अन्य विद्यालयों का निरीक्षण विगत दिनों किया था। उन्होने निगम क्षेत्र में स्थित सभी विद्यालयों रेनोवेशन कराए जाने, आवश्यक मरम्मत व सुधार कार्य करने तथा सभी विद्यालयों को थीम आधारित पेंटिंग्स से आकर्षक लुक देकर उनका सौदंर्यीकरण किए जाने के निर्देश दिए थे। आयुक्त श्री प्रभाकर पाण्डेय की देखरेख

में निगम द्वारा पुराने कोरबा शहर में स्थित कोरबा के सबसे पुराने स्कूल प्राथमिक शाला कोरबा का रेनोवेशन व थीम आर्धारित पेंटिंग्स के माध्यम से उसे आकर्षक लुक दिया गया है। विद्यालय में ब्रिक वर्क थीम आधारित पेंटिंग्स की गई है तथा मुख्य प्रवेशद्वार पर विद्यालय के नाम का एल.ई.डी. बोर्ड लगाया गया है, जिससे विद्यालय की सुंदरता बढ़ रही है।

88 विद्यालय भवनों को दिया जाएगा एक समान लुक – नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्रांतर्गत प्राथमिक शाला, माध्यमिक शाला, हाई स्कूल तथा हायर सेकेण्डरी स्कूल के लगभग 88 विद्यालय भवन स्थित हैं, इन सभी विद्यालय भवनों को थीम आधारित पेंटिंग्स के माध्यम से एक समान लुक दिया जाएगा। सभी विद्यालयों में ब्रिक वर्क आधारित रेड कलर की पेंटिंग्स की जाएगी, साथ ही आवश्यकतानुसार विद्यालयों का रेनोवेशन–मरम्मत व सुधार कार्य कर उनका जीर्णोद्धार करते हुए उन्हें आकर्षक लुक दिया जाएगा। सभी विद्यालयों के मुख्य प्रवेशद्वार पर विद्यालयों की नाम का एल.ई.डी. बोर्ड लगेगा, जिससे विद्यालयों को अपनी पहचान मिलेगी।